



Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 06 जनवरी, 2023

द रेज़िस्टेंस फ्रंट पर प्रतर्बिंध

हाल ही में केंद्र सरकार ने [गैर-कानूनी गतविधि \(रोकथाम\) अधिनियम](#) के तहत [द रेज़िस्टेंस फ्रंट \(TRF\)](#) को एक [आतंकी संगठन घोषित](#) किया है। द रेज़िस्टेंस फ्रंट [आतंकी गतविधियों](#) को अंजाम देने के लिये ऑनलाइन माध्यम से [युवाओं की भर्ती](#) कर रहा था। द रेज़िस्टेंस फ्रंट गैर-कानूनी आतंकी संगठन [लश्कर-ए-तैयबा](#) के एक प्रॉक्सी गुट के रूप में वर्ष 2019 में अस्तित्व में आया। यह संगठन जम्मू-कश्मीर में [आतंकी गतविधियों के विस्तार, आतंकियों की भर्ती करने, इनकी घुसपैठ कराने और पाकस्तान से हथियारों तथा \[मादक पदार्थों की तस्करी\]\(#\) करने में संलग्न](#) है। द रेज़िस्टेंस फ्रंट भारत के विरुद्ध आतंकी गुटों में शामिल होने के लिये जम्मू-कश्मीर के लोगों को उकसाने हेतु सोशल मीडिया मंचों पर मनोवैज्ञानिक अभियान चलाने में भी संलग्न है। द रेज़िस्टेंस फ्रंट का [कमांडर शेख सज्जाद गुल](#) एक कुख्यात आतंकवादी है।

बीकानेर सौर ऊर्जा परियोजना

हाल ही में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राजस्थान में [SJVN की 1000 मेगावाट बीकानेर \[सौर ऊर्जा परियोजना\]\(#\)](#) की आधारशिला रखी। यह परियोजना SJVN लिमिटेड द्वारा अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली अधीनस्थ कंपनी [SJVN ग्रीन एनर्जी लिमिटेड \(SGEL\)](#) के माध्यम से नष्पिादित की जा रही है। यह परियोजना राजस्थान के बीकानेर ज़िले के [बांदेरवाला गाँव](#) के समीप [5000 एकड़ भूमि](#) पर विकसित की जा रही है, जो देश में [सूर्य की सर्वाधिक उपलब्धता वाले क्षेत्रों](#) में से एक है। परियोजना की नष्पिादन लागत [5492 करोड़ रुपए](#) है और इस परियोजना के लिये [44.72 लाख रुपए](#) प्रतर्त मेगावाट की [व्यवहार्यता अंतराल अनुदान \(Viability Gap Funding- VGF\)](#) सहायता [भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी \(IREDA\)](#) द्वारा प्रदान की जा रही है। [परियोजना मार्च 2024 तक चालू होने हेतु प्रस्तावित](#) है। इस परियोजना के शुरू होने के पश्चात् प्रथम वर्ष में [2454.55 मिलियन यूनिट](#) विद्युत उत्पादन होगा और 25 वर्षों की अवधि में लगभग [56838 मिलियन यूनिट](#) संचयी विद्युत उत्पादन होगा। अधिकतम उपयोग शुल्क [2.57 रुपए](#) प्रतर्त यूनिट तय किया गया है, जिससे उपभोक्ताओं को कफियती विद्युत प्रदान करने में सहायता मिलेगी। इस परियोजना के शुरू होने से भारत सरकार [वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट के \[नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य\]\(#\)](#) को प्राप्त करने में सहायता मिलेगी। वहीं इस परियोजना के संचालन से रोज़गार के अवसर भी पैदा होंगे।

पहला पांडुलिपि संग्रहालय

हाल ही में [केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम](#) में [वशिव का ताड़ के पत्तों का पहला पांडुलिपि संग्रहालय](#) स्थापित किया गया है। इस संग्रहालय में भारत की भूमि पर यूरोपीय शक्तियों को पराजित करने वाले [एशिया के पहले साम्राज्य त्रावणकोर](#) की कहानियों को प्रदर्शित किया गया है, साथ ही यहाँ 19वीं सदी के अंत तक लगभग 650 वर्षों तक शासन करने वाले त्रावणकोर साम्राज्य के [प्रशासनिक, सामाजिक-सांस्कृतिक और आर्थिक पहलुओं](#) की झलक देखी जा सकेगी। संग्रहालय में त्रावणकोर साम्राज्य के [जटिल भूमि प्रबंधन, ऐतिहासिक घोषणाओं एवं अंतर्राष्ट्रीय समझौतों](#) के बारे में जानकारी उपलब्ध है। यहाँ [कोलाचेल के प्रसिद्ध युद्ध](#) की भी जानकारी उपलब्ध है जिसमें त्रावणकोर के वीर राजा [अनजाम तिरुनल मारुतंड वर्मा \(1729-58\)](#) ने [डच ईस्ट इंडिया कंपनी](#) को परास्त किया था। [कोलाचेल तमलिनाडु के कन्याकुमारी से 20 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में स्थित](#) है। यह संग्रहालय राज्य की [सांस्कृतिक संपदा बढ़ाने के साथ-साथ शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक विद्वानों](#) हेतु भी महत्त्वपूर्ण है। पहले चरण में पूरे राज्य से एकत्रित

राष्ट्रीय एकल खड़िकी प्रणाली

केंद्र, राज्य और केंद्रशासित प्रदेशों की विभिन्न स्वीकृतियों के लिये राष्ट्रीय एकल खड़िकी प्रणाली पोर्टल द्वारा 75 हजार से अधिक स्वीकृतियाँ प्रदान कर एक नया रिकॉर्ड बनाया गया है। इस पोर्टल पर अब तक 157 देशों के कुल 4 लाख 20 हजार वज़िटिर्स से स्वीकृति संबंधी आवेदन प्राप्त हुए हैं। 1 लाख 50 हजार से अधिक नविशकों ने अपने वशिष्ट व्यापार मामलों हेतु स्वीकृतियों की जानकारी के संदर्भ में एकल खड़िकी मॉड्यूल का उपयोग किया। 1 लाख 23 हजार से अधिक आवेदनों में से कुल 75 हजार 599 स्वीकृतियाँ प्रदान की गई हैं। इनमें से 57 हजार से अधिक स्वीकृतियों की अनुमति वाणिज्य मंत्रालय द्वारा दी गई है, जबकि उपभोक्ता कार्य मंत्रालय ने 17 हजार से अधिक स्वीकृतियों की अनुमति दी है। [राष्ट्रीय एकल खड़िकी प्रणाली](#), सरकार से व्यापार संबंधी सभी स्वीकृतियों हेतु आवेदन के लिये एकमात्र माध्यम है, जहाँ से विभिन्न मंत्रालयों और विभागों द्वारा आवेदनों पर स्वीकृति दी जाती है।

जगा मशिन

ओडिशा का जगा मशिन (Jaga Mission) वर्ल्ड हैबिटट अवार्ड्स 2023 के विजेताओं में से एक है। यह पुरस्कार वर्ल्ड हैबिटट द्वारा प्रदान किया जाता है और इसे यूएन- हैबिटट के साथ साझेदारी में आयोजित किया जाता है। वर्ल्ड हैबिटट संयुक्त राष्ट्र के सार्वजनिक सूचना विभाग द्वारा मान्यता प्राप्त एक चैरिटी संगठन है। जगा मशिन ओडिशा में सबसे बड़ी भू-स्वामित्व और झुग्गी उन्नयन योजना है तथा विश्व में सबसे बड़ी योजनाओं में से एक है। वर्ष 2017 से जगा मशिन का उद्देश्य शहरी गरीबों के रहन-सहन में सुधार करना और सामाजिक समानता को बढ़ावा देना है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना का नेतृत्व ओडिशा सरकार के आवास और शहरी विकास विभाग द्वारा किया जा रहा है, इसका उद्देश्य ओडिशा को भारत का पहला झुग्गी-मुक्त राज्य बनाना है।

पहली महिला भारतीय ओलंपिक पदक विजेता

साक्षी मलिक भारतीय फ्रीस्टाइल रेसलर/पहलवान हैं। वर्ष 2016 के ग्रीष्मकालीन ओलंपिक में उन्होंने 58 किलो वर्ग में कांस्य पदक जीता, वह ओलंपिक में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान और देश की चौथी महिला ओलंपिक पदक विजेता बनीं। ओलंपिक खेल अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (International Olympic Committee- IOC) द्वारा आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय खेल उत्सव है, इसका आयोजन प्रत्येक चार वर्ष में किया जाता है। पछिला ओलंपिक खेल 2022 में बीजिंग, चीन में आयोजित किया गया था और आगामी ओलंपिक खेल 2024 में पेरिस, फ्रांस में आयोजित किया जाएगा।

और पढ़ें.. [शीतकालीन ओलंपिक](#)

देश का सबसे बड़ा तरल अपशिष्ट उपचार संयंत्र

तरुपतिनगर नगिम (MCT), आंध्र प्रदेश फाइटोरडि तकनीक का प्रयोग कर देश का सबसे बड़ा तरल अपशिष्ट उपचार संयंत्र के साथ जल उपचार में एक सार्थक कदम उठाने के लिये तैयार है।

फाइटोरडि तकनीक [वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद \(CSIR\)](#) के राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान (NEERI) द्वारा विकसित की गई है। भारत में विभिन्न प्रकार के [बायोडिग्रेडेबल](#) अपशिष्ट जल के लिये इसका उपयोग तेज़ी से किया जा रहा है।

प्रौद्योगिकी में एक नरिमति [आरद्रभूमि](#) शामिल है जिसे विशेष रूप से नगरपालिका, शहरी, कृषि और औद्योगिक अपशिष्ट जल के उपचार हेतु डिज़ाइन किया गया है। यह तकनीक बनी बजिली, न्यूनतम रखरखाव, कम श्रमशक्ति और मुख्य रूप से स्वतः नरिभर रहकर कार्य करती है।

और पढ़ें... [अपशिष्ट जल प्रबंधन](#)

इष्टतम आवास की कृषति

नीलगरी भू-परदृश्य, विविध जलवायु और वनस्पति से परिपूर्ण, [जैव विविधता में समृद्ध](#) है और विश्वभर में [लुप्तप्राय एशियाई हाथी](#) की सबसे बड़ी एकल आबादी वाला क्षेत्र है। हालाँकि एक अध्ययन में पाया गया कि नीलगरी बायोस्फीयर रिज़र्व अब लुप्तप्राय एशियाई हाथी के लिये [आदर्श आवास \(तमलिनाडु, कर्नाटक और केरल\)](#) नहीं रहा। मानव बस्तियों के विकास और कृषि की बहुलता के कारण हाथियों का आवागमन प्रभावित हुआ है, इस कारण इन्हें उप-इष्टतम आवास माने जाने वाले पहाड़ी क्षेत्रों तक ही सीमित रखा है। इन [उप-इष्टतम आवासों में इस आकार के जानवरों के लिये खतरनाक क्षेत्रों के कारण उनके जीवित रहने की संभावना कम हो जाती है](#)। अध्ययन से पता चला है कि जब बाधाओं का निर्माण किया जाता है, विशेष रूप से ढलान वाले क्षेत्रों में, तो उनका संचलन अवरुद्ध हो जाता है जिसके चलते जीन प्रवाह कम हो जाता है। यह अंततः इन [लुप्तप्राय प्रजातियों](#) के विलुप्त होने के जोखिम को बढ़ा सकता है।

और पढ़ें.. [नीलगरी हाथी कॉरडोर का मामला](#)

मनोहर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, गोवा

हाल ही में उत्तरी गोवा के मोपा में नवनिर्मित मनोहर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का [परिचालन शुरू कर दिया गया है](#)।

नवंबर 2016 में, प्रधानमंत्री ने इस हवाई अड्डे की आधारशिला रखी थी। इस हवाई अड्डे का निर्माण सतत बुनियादी ढाँचे को ध्यान में रखकर किया गया है और इसमें अन्य चीजों के अलावा, [एक सौर ऊर्जा संयंत्र](#), हरति भवन, रनवे पर LED लाइटें, [वर्षा जल संग्रहण](#) और पुनर्चक्रण क्षमताओं के साथ एक अत्याधुनिक [सीवेज उपचार तंत्र](#) शामिल है।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-06-january-2023>

